लखनदेई नदी पर नए बने लिंक चैनल में आया पानी

नदी की पुरानी धार हुई पुनर्जीवित, फिर वरदान साबित होगी लखनदेई, कलकल जलप्रवाह होगा आरंभ, सीएम ने किया निरीक्षण

सुरेश कुमार अनल' सीतामढ़ी

हिमालय से निकलकर भारत में बहनेवाली लखनदेई नदी (लखनदेई) नदी की पुरानी धार तो अब पुनर्जीवित हो चुकी बस बच गई थोड़ी कसर भी जल्द पूरी होने को है उसके बाद कलकल जलप्रवाह आरंभ हो जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पहुंचने पर नए बने लिंक चैनल में पानी आ गया। लखनदेई नदी को नई धार का छोटी भारसर ग्राम से दुलारपुर घाट तक लिंक चैनल का निर्माण एवं पुरानी लखनदेई नदी की मृत धार का दुलारपुर से पीताबरपुर ग्राम के निकट सोरन नदी के मिलन बिंदु तक पुनर्स्थापन कार्य हुआ है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को उसका निरीक्षण किया। उनके साथ जल संसाधन मंत्री संजय झा भी थे।

नौके पर सांसद सुनील कुमार पिंटू, एमएलसी रेखा कुमारी, विधायक मांकजी देवी, विधायक दिलीप राय, विधायक पंकज कुमार मिश्र, विधायक ई. अनिल कुमार, जदयू के वरिष्ठ नेता व अधिवक्ता विमल शुक्ला, जदयू जिलाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह कुशवाहा आदि मौजूद थे।

बॉर्डर रोड की बाधा दूर होते ही कलकल बहने लगेगी धारा: लखनदेई बचाओ संघर्ष समिति के डॉ.आनंद किशोर, राम शरण अग्रवाल, रामशंकर शरणी के अनुसार, भारत-नेपाल सीमा पर अब थोड़ी-सी रुकावट रह गई है, जिसके दूर होते ही नदी अविरल बहने लगेगी। अभी जल प्रवाह में बॉर्डर रोड की बाधा को दूर किया जाना शेष है। प्राथमिकता के आधार पर इस रोड को तोड़कर पुलिया निर्माण पर काम हो भी रहा है। तत्काल स्थूम पाइप लगाकर जलप्रवाह शुरू करने की व्यवस्था में अभियंता लगे हुए हैं। बॉर्डर रोड के उच्चस्तरीय अधिकारी का आदेश प्राप्त होते ही कार्य पूरा हो जाएगा। और इस प्रकार बरसों की तपस्या पूरी होगी।

सीतामढ़ी में लखनदेई नदी की नई धार का छोटी भारसर ग्राम से दुलारपुर घाट तक लिंक चैनल का निर्माण एवं पुरानी लखनदेई नदी की मृत धार का दुलारपुर से पीताबरपुर ग्राम के निकट सोरन नदी के मिलन बिंदु तक पुनर्स्थापन के नौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। साथ में एमएलसी विमल सुनील कुमार पिंटू व अन्य अधिकारी ● जागरण

लखनदेई नदी में जलप्रवाह शुरू करने के नौके पर खाद्य खोराक मंत्री रेखा कुमारी व एमएलसी मनोज कुमार मीणा व एसपी हरकिशोर राय ● जागरण

मुख्यमंत्री नीतीश ने ही 2018 में इस नदी की उड़ाही का कार्य शुरू कराया

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल से माता सीता की सहेली लक्ष्मणा गंगा (लखनदेई नदी) को नया जीवन मिल गया है। जानकी नगरी में ठीक पहले इस नदी में जलप्रवाह होने की घोषणा की गई थी। खैर, तीन दिन विलंब ही सही नदी कलकल बहने लगी। 150 साल से अधिक समय से इस नदी के पुनर्जीवन की लोग आस लगाए बैठे थे। आखिरकार हजारों-लाखों श्रद्धालुओं की तपस्या पूरी होने से रामरत मैथिलांचल में खुशी की लहर दौड़ गई है। हिमालय से निकलने वाली यह नदी सीतामढ़ी शहर से होते हुए मुजफ्फरपुर के कटरा में बागमती नदी में विलय हो जाती है। 15 फरवरी, 2018 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोनबरसा प्रखंड अंतर्गत दुलारपुर घाट से इस नदी की उड़ाही का कार्य अपने हाथों प्रारंभ कराया था। आज चार साल तीन महीने बाद नदी जीवित होने जा रही है। उत्तमान में इस नदी का जो भाग सीतामढ़ी नगर से होकर प्रवाहित होता है, वह नदी की पुराना एवं मूल धार है। भारत-नेपाल सीमा पर इस नदी की नई धार का छोटी भारसर ग्राम से दुलारपुर घाट तक लिंक चैनल का निर्माण कार्य (3.00 किमी) एवं पुरानी लखनदेई नदी की मृत धार का दुलारपुर से पीताबरपुर ग्राम के निकट सोरन नदी के मिलन बिंदु तक पुनर्स्थापन कार्य कराया गया है।

- **हुई बरसों की तपस्या, नेपाल सीमा से मुजफ्फरपुर तक के पांच प्रखंडों के लिए नौकायनकी**
- **लखनदेई नदी की नई धार व नए लिंक कैनल का निर्माण और पुरानी लखनदेई नदी की मृत धार का पुनर्स्थापन कार्य हुआ**

इंद्रदेवता भी प्रसन्न हो उठे जलप्रवाह के समय। संयोग देखिए नदी में जल प्रवाह आरंभ होने के ऐन मौके पर इंद्रदेव भी प्रसन्न हो उठे। इस पावन घड़ी में बदरा घुमाकर बरसा जिससे लिंक चैनल में जल प्रवाह स्वतः होने लगा। जिलाधिकारी मनोज कुमार मीणा व एसपी हरकिशोर राय ने इस बात पर प्रसन्नता जताई। जिलाधिकारी ने कहा कि ऐन मौके पर बारिश होने से अब स्टीम से छान स्टीम में पानी का प्रवाह तेजी से हो रहा है जिससे स्पष्ट है कि नदी की धारा अब अविरल बहेगी। बारिश का पानी लिंक चैनल से तेजी से निकलता हुआ देखकर मुख्यमंत्री व जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने भी प्रसन्नता जताई।

सोनबरसा के खाद खोराक कंसल में मुख्यमंत्री के आगमन के इंतजार में मंत्री के सब जिले के विधायक, एमएलसी व अन्य नेता ● जागरण

पांच प्रखंडों को नदी का मिलेगा फायदा

नेपाल सीमा के 8 किलोमीटर उत्तर नेपाल भू-भाग से ही नदी एल सिस्टेड है, जिसके कारण नदी अपनी पूर्व की दिशा बदलते हुए अकावरा समूह की उत्तरा नदी में मिल गई। सीतामढ़ी शहर समेत जिले के पांच प्रखंडों- डुमरा, बथनाहा, रीगा, सोनबरसा, रीगा व रुन्नीसैदपुर के किसानों की खेती के लिए अब पर्याप्त पानी उपलब्ध हो पाएगा।

सोनबरसा की खाद खोराक कंसल में लखनदेई नदी में जल प्रवाह आरंभ होने के मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शाल ओढ़ाकर स्वागत करतीं पूर्व मंत्री जा. रेणु गीता ● जागरण